

## श्याम की नौकरी | by Sanjay- Deep

करले कबूल एक विनती मेरी  
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी  
यही पहली इच्छा है यही आखिरी  
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

यहाँ वहाँ दुनिया घुमाती है मुझको  
ऊंगली पे अपनी नचाती है मुझको  
हार गया करके दुनिया की चाकरी  
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

जैसा कहेगा तू वैसा ही करूंगा  
चौखट पे तेरी पड़ा मैं रहूँगा  
सारी ही मर्जी चलेगी तेरी  
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

मुझपे ये होगा तेरा एहसान बाबा  
शर्मा का कर दे कल्याण ओ बाबा  
संजय और दीप को आरजू तेरी  
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a5%8c%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-sanjay-deep/>